सोमवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

31 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 62
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जानलेवा कुट्टू

●200 हुए हॉस्पिटल में भर्ती

विशेष संवाददाता

देहरादून/हरिद्वार। पहले ही नवरात्रि के दिन कुट्टू का विषाक्त आटा खाने से सैकड़ो लोग बीमार हो गए। हालत बिगड़ने पर जब मरीजों का अस्पताल पहुंचना शुरू हुआ तो शासन-प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आज सुबह सीएम धामी ने अस्पतालों का दौरा कर पीड़ितों का हाल जाना और उनके इलाज तथा जांच के आदेश देने के साथ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। गनीमत यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी की जान जाने की खबर नहीं है लेकिन कुछ की हालत खराब होने पर उन्हें हायर सेंटर जरूर भेजा गया है।

●कई दुकानें सील, जांच पड़ताल में जुटे तमाम अधिकारी

सीएम धामी ने किया अस्पतालों का दौरा, सख्त कार्रवाई के निर्देश

बड़ी संख्या में लोग बीमार: राजधानी दून में 200 से ढाई सौ के बीच बीमार लोगों के अस्पताल पहुंचने की खबर मिलने और सीएम धामी के अस्पताल जाने की सूचना मिलते ही गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे से लेकर जिलाधिकारी सविन बंसल और पुलिस कप्तान अजय सिंह सहित तमाम अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। मुख्यमंत्री धामी ने इन अधिकारियों को मामले की गंभीरता से जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। वहीं खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा त्यौहारों से पूर्व चलाये जाने वाले विशेष जांच अभियान पर भी रिपोर्ट तलब की गई है। सीएम ने कोरोनेशन में भर्ती 66 और दून अस्पताल में भर्ती 44 मरीजों का हाल-चाल जाना और उनकी उचित चिकित्सा के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में महंत इंद्रेश और सिनर्जी सहित अन्य कुछ अस्पतालों में भी कुट्टू का आटा खाने से बीमार हुए लोग पहुंचे हैं जिनकी कुल संख्या ढाई सौ से अधिक बताई जा रही है।

हरिद्वार में भी मिले बीमार: उधर हरिद्वार से प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां भी अभी प्रारंभिक दौर में 25 से 30 लोगों के बीमार होने और अस्पताल में भर्ती होने की खबर आई है। हरिद्वार के लक्सर के खेड़ी कला में बीती रात कुट्टू का आटा खाने के बाद लोगों को चक्कर आने, पेट दर्द तथा बेहोशी जैसे लक्षण सामने आने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन द्वारा यहां भी मामले की जांच करने की बात सामने आई है। दून और हरिद्वार में बीमार लोग बीती रात से अस्पतालों में भर्ती कराए गए हैं।

सहारनपुर की फार्म से आया आटा: प्रारंभिक जांच में जो तथ्य सामने आए हैं उसके अनुसार यह आटा सहारनपुर की एक फर्म द्वारा सप्लाई किया गया था जिसकी सूचना सहारनपुर के डीएम और एसएसपी को दे दी गई तथा दून से भी एक पुलिस टीम को सहारनपुर भेजा गया है। बताया गया है कि दून में तीन थोक विक्रेताओ के यहां इस फर्म ने आटा सप्लाई किया था जिसे अलग-अलग क्षेत्रों के फुटकर विक्रेताओं ने आटा खरीदा। अब पुलिस व खाद्य विभाग की टीमों द्वारा इसकी जांच की जा रही है तथा आटे की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री धामी ने खाद्य सुरक्षा विभाग से भी इसकी जांच कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं तथा थोक विक्रेताओं की दुकानों को सील कर दिया गया है।

बीते कल पहले ही नवरात्रि के दिन लोगों ने देर शाम आटा खरीदा और उसका इस्तेमाल किया गया। जिसके कुछ ही घंटो बाद उन्हें कई तरह की समस्याएं होनी शुरू हो गई और अस्पतालों में आधी रात से बीमारो का आना शुरू हो गया। हालांकि आज दोपहर बाद कुछ मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भी भेज दिया गया है लेकिन अभी बड़ी संख्या में बीमार अस्पतालों में भर्ती है। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में अतिरिक्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

शिक्षा का बाजारीकरण

शिक्षा के बजारीकरण पर कुछ लिखने से पहले हम दून के जिलाधिकारी सविन बंसल को इस बात के लिए साधुवाद देना चाहेंगे जिन्होंने राजधानी में अपने अधिकारियों की टीमे उतार कर किताबों के विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर इस दिशा में एक सकारात्मक पहल करने का प्रयास किया है। क्योंकि इससे पूर्व स्कूलों की मनमानी और आम आदमी की इस अति गंभीर समस्या पर किसी भी अधिकारी ने कभी ध्यान ही नहीं दिया। जिसके कारण स्कूलों द्वारा की जाने वाली अनाप-शनाप फीस वृद्धि और पुस्तक विक्रेताओं की खुली लूट तथा उत्पीड़न का शिकार अभिभावक होते रहे हैं। डीएम बंसल ने अब यह साफ कर दिया है कि शिक्षा में माफिया राज नहीं चलने देंगे। स्कूल प्रशासन पुस्तक विक्रेताओं और पब्लिशर्स के इस गोरख धंधे की अब हर स्तर पर जांच भी होगी और उनके खिलाफ कार्रवाई भी होगी निश्चित तौर पर इससे समाज के हर वर्ग और हर घर को बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि हम सभी के बच्चे स्कूलों में पढ़ते हैं। दरअसल यह स्कूलों का जो गोरख धंधा है वह कोई नया नहीं है शिक्षा क्षेत्र के निजीकरण के साथ ही समाज के कुछ अति सयाने लोगों द्वारा इसे एक बड़े मुनाफे के कारोबार के तौर पर विकसित करने का काम शुरू कर दिया गया था तथा राज्यों की सरकारों द्वारा इन्हें रोकने की बजाय पिछले दरवाजे से उनकी मदद की जाती है जिसके कारण सरकारी स्कूलों का स्तर पिछड़ता चला गया और वह वीरान हो गए। वहीं यह निजी स्कूल फलते-फूलते रहे और अब यह स्थिति हो चुकी है कि इन स्कूलों में सामान्य आदमी का अपने बच्चों को पढ़ा पाना इसलिए मुश्किल हो चुका है क्योंकि इनका खर्च वहन करना उनके सामर्थ्य से बाहर होता जा रहा है। हर साल 10 से 25 फीसदी तक शुल्क वृद्धि तथा पुस्तकों और ड्रेस की मनमानी कीमते वसूलने से लेकर अन्य तमाम इवेंट्स के आयोजनों के नाम पर मोटी रकम लिए जाने से अभिभावक इतने परेशान हो चुके हैं कि वह साल नया सत्र शुरू होने पर इसके खिलाफ धरने प्रदर्शनों पर मजबूर हो रहे हैं। अब देखना यह है कि जिलाधिकारी बंसल इस अच्छे काम में कितने सफल हो पाते हैं। क्योंकि यह माफिया इतने सशक्त हो चुके हैं कि वह उन्हें रोकने के लिए उनके स्थानांतरण तक की हद तक जा सकते हैं। एक अन्य सवाल यह है कि बात सिर्फ पुस्तकों की कालाबाजारी या स्कूलों की फीस स्ट्रेक्चर तय करने तक ही यह समस्या सीमित नहीं है। ओवर रेटिंग का यह मर्ज और जीएसटी चोरी के आदी हो चुके इस सिस्टम को सुधारना आसान काम नहीं है। अभी शराब बिक्री के लिए खुले ठेकों पर ओवर रेटिंग की खबरो के बाद डीएम खुद सामान्य आदमी बनकर ठेकों तक पहुंच गए और उनसे भी अधिक पैसे लिए गए तो उन्होंने इस पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सवाल यह है कि क्या डीएम ही सारी व्यवस्थाएं सुधारेंगे? शराब पर ओवर रेटिंग रोकने के लिए तैनात आबकारी की टीमें क्या सिर्फ इन ठेकों से वसूली के लिए ही बनी है? बाजार में आप एक टूथपेस्ट से लेकर किताबों तक कुछ भी खरीदने चले जाएं कोई दुकानदार आपको पक्का बिल नहीं देगा, भले ही आप हजारों रुपए की खरीदारी क्यों ना करें। अगर आप पक्का बिल मांगोगे तो वह बिल बुक अकाउंटेंट के ले जाने का बहाना बनाते दिखेगा। सवाल यह है जब बिल बुक अकाउंटेंट के पास है तो तू दुकान क्यों खोले बैठा है। दरअसल यह संपूर्ण व्यवस्था भ्रष्टाचार की, लूट की और अनियमितताओं की इतनी अभ्यस्त हो चुकी है कि इस इस दलदल से निकालने के लिए एक सविन बंसल के बस की बात नहीं है। ऐसे अधिकारियों को आप अंधेरी कोठरी में रोशनी की एक किरण ही मान सकते हैं। सुधार के लिए इस देश में ऐसे नेताओं और अधिकारियों की एक बड़ी फौज की जरूरत है। फिर भी हमें आशा और उम्मीदों का दामन तो थामना ही पड़ेगा इसलिए यह सोचिए कि आज नहीं तो कल सूरज जरूर निकलेगा और अंधेरा भी जरूर हारेगा।

'काफी संख्या में लोगों ने उठाया बहुउद्देशीय शिविरों का लाभ'

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उत्तराखंड में 'सेवा, सुशासन और विकास' कार्यक्रम के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविरों में काफी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

आज यहां प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उत्तराखंड में 'सेवा, सुशासन और विकास' कार्यक्रम के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविरों का सफल समापन हुआ। इन शिविरों ने जनता और सरकार के बीच की दूरी को कम करते हुए योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया। प्रदेश के हर जिले, हर विधानसभा और हर ब्लॉक स्तर पर आयोजित इन शिविरों में भारी संख्या में नागरिक पहुंचे, जिससे यह साबित हो गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के विकास कार्यों पर जनता का पूर्ण विश्वास है।

22 मार्च से 25 मार्च तक सभी जिला मुख्यालयों में और 24 मार्च से 30 मार्च तक विधानसभा एवं ब्लॉक स्तर पर इन बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया गया। अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, ऊधम सिंह नगर, देहरादून, हरिद्वार, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी और उत्तरकाशी सहित प्रदेश के सभी 13 जनपदों में इन शिविरों को जबरदस्त जनसमर्थन मिला। हजारों

नागरिकों ने इसमें भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया।

इस व्यापक भागीदारी ने साबित कर दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं। इन शिविरों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में लोगों को सीधा लाभ पहुंचाया। नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाइयां, टीकाकरण और आयुष्मान भारत योजना के तहत सैकड़ों जरूरतमंदों को राहत मिली। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्ति, पाठ्य पुस्तकें और डिजिटल शिक्षा उपकरण वितरित किए गए, जिससे हजारों छात्र लाभान्वित हुए। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप योजनाओं के तहत युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। किसानों को कृषि योजनाओं की जानकारी, अनुदान और आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ सके। वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगजनों के लिए विशेष पेंशन शिविरों का आयोजन किया गया, जहां हजारों लाभार्थियों को तत्काल सहायता प्रदान की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी जरूरतमंद सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और यह बहुउद्देशीय शिविर इसी का प्रमाण हैं। समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी विकास से जोड़ना ही हमारा संकल्प है। सरकार की इस ऐतिहासिक पहल ने जनविश्वास और सुशासन को और मजबूत किया है।

नशे के कारोबार मे लिप्त महिला गैंगस्टर गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। बडकोट पुलिस ने नशे के कारोबार में लिप्त महिला गैंगस्टर को देहरादून से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती सरिता डोबाल के निर्देशन मे उत्तरकाशी पुलिस अवैध नशे के सौदागरों पर लगातार नकेल कस रही है। पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट, देवेन्द्र सिंह नेगी के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष बडकोट दीपक कठैत के नेतृत्व मे थाना बडकोट पुलिस द्वारा कल अवैध नशे की सरगना मेराज उर्फ मेहराज को देहरादून से गिरफ्तार किया गया है। मेराज स्मैक/नशीले पदार्थों की तस्करी मे काफी लम्बे समय से लिप्त है, आरोपी का काफी लम्बा-चौडा आपराधिक इतिहास है, जिसके विरुद्ध देहरादून मे गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की जा चुकी है। जनवरी 2025 मे बड़कोट पुलिस के द्वारा सीकू उर्फ सिकेंदर को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर थाना बड़कोट में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तार सीकू से गहन पूछताछ कर यह जानकारी जुटाने पर प्रकाश में आया कि देहरादून सहसपुर में मेराज उर्फ मेहराज पत्नी मुस्तकीम नाम की महिला रहती हैं, जो स्मैक माफिया हैं जिसके विरुद्ध देहरादून में आधा दर्जन से अधिक अभियोग पंजीकृत हैं, जो देहरादून से कई बार स्मैक/चरस के

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सम्पत्ति हडपने के लिए बनवाया पिता का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र

देहरादून (सं)। मियांवाला निवासी सज्जन सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिताजी स्वर्गीय रामसहाय का देहांत 1988 को ग्राम मियावाला में हुआ था। उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हरिद्वार शमशान घाट पर किया गया था। उनके पिता ने अपनी मृत्यु से पूर्व अपने पूर्ण चेतना और स्थिर मानसिक स्थिति में 1988 को अपनी वसीयत तैयार की थी, जिसे उप-रजिस्ट्रार, देहरादून में पंजीकृत कराया गया था। उसके अन्य भाई जगनलाल और उनके पुत्र मनमोहन ने षडतंत्रपूर्वक 1988 को शिवाजी सेवा समिति, शमशान विभाग, देहरादून (लखीबाग) से फर्जी रसीद बनवाई जिसका उद्देश्य उसके पिता की पंजीकृत वसीयत को झूठा सिद्ध करना था। इसके तहत, उन्होंने उसके पिता को उनके जीवनकाल में ही मृत घोषित करवाया और ग्राम पंचायत चक तुनवाला से 2013 को एक फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया यह प्रमाणित है कि उसके पिता का निवास स्थान हमेशा ग्राम मियावाला ही रहा है। इसके बावजूद, फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर गलत तरीके से उनके अधिकारों का हनन किया गया। मामले की गहराई से जांच के बाद, डॉ. अविनाश खन्ना, रजिस्ट्रार जन्म मृत्यु एवं मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम, देहरादून ने 2024 को उक्त फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र को निरस्त कर दिया और संबंधित पुलिस अधिकारी को इस गंभीर धोखाधड़ी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया।

महानगर अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, निर्वाचित पार्षद व पार्षद प्रत्याशियों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कैंट विधानसभा में नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल एवं मण्डल अध्यक्ष सुमित पांडे के पुन महानगर अध्यक्ष नियुक्त होने एवं मण्डल में निर्वाचित पार्षद व पार्षद प्रत्याशियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया और साथ ही प्रध ानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को भी सभी ने सुना।

इस अवसर पर कैंट विधायक श्रीमति सविता कपूर ने कहा कि पूर्व में महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में पार्टी ने नए कीर्तिमान बनाए। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि मैं सुमितं पांडे को बधाई देता हुं और मुझे ये भी विश्वास है जैसा काम पूर्व में हुए संगठन उसी तरह आगे बढ़ चढ़ कर

काम करेगा।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित पार्षद संजय सिंघल यमुना कालोनी एवं अंकित अग्रवाल पार्षद वसंत विहार सहित पार्षद प्रत्याशी रही श्रीमती कीर्ति बेनवाल, श्रीमती किरन नौटियाल को सम्मानित किया किया गया। इस अवसर पर अतुल कपूर, आदित्य चौहान, कुंवर जपेंद्र सिंह, बबलू बंसल, संतोष कोटियाल,देवेंद्र बिष्ट, विनय गोयल, उदय सिंह पुंडीर, अभिषेक शर्मा, अनुराज छेत्री, सूरज बिष्ट,विकास बेनीवाल रीता विशाल आदि लोग मौजूद रहे

क्यों रोजाना मॉइस्चराइजर का उपयोग करना जरूरी है? यहां जानिए

त्वचा की देखभाल में मॉइस्चराइजर का अहम रोल होता है। चाहे आपकी त्वचा रूखी हो या तैलीय, मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करता है।

यह लेख खासकर महिलाओं के लिए उन कारणों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनकी वजह से आपको अपनी रोजमर्रा की स्किनकेयर रूटीन में मॉइस्चराइजर को शामिल करना चाहिए।

मॉइस्चराइजर न केवल त्वचा की नमी बनाए रखता है बल्कि उसे मुलायम भी बनाता है।

त्वचा की नमी बनाए रखने में है मददगार

मॉइस्चराइजर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपकी त्वचा की नमी को बनाए रखता है।

जब आप इसे नियमित रूप से लगाते हैं तो यह आपकी त्वचा को सूखने से बचाता है और उसे मुलायम बनाता है, खासकर सर्दियों के मौसम में जब हवा शुष्क होती है तब मॉइस्चराइजर का उपयोग बहुत जरूरी हो जाता है।

इससे आपकी त्वचा फटने या खुरदरी होने से बचती है और उसमें प्राकृतिक चमक बनी रहती है।

उम्र बढ़ने के लक्षणों को कर सकता है कम

उम्र बढ़ने के साथ हमारी त्वचा पर झुर्रियां और महीन रेखाएं दिखने लगती हैं, जिससे चेहरे की ताजगी कम हो जाती है।

नियमित रूप से मॉइस्चराइजर का उपयोग करने से ये लक्षण कम नजर आते हैं। मॉइस्चराइजर त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा में कसावट रहती है और झुर्रियां कम दिखाई देती हैं।

इससे चेहरा जवान और तरोताजा नजर आता है और त्वचा की प्राकृतिक चमक बनी रहती है।

सूरज की हानिकारक किरणों से दे सकता है सुरक्षा

आजकल बाजार में ऐसे कई मॉइस्चराइजर उपलब्ध हैं, जिनमें सनस्क्रीन भी मिला होता है।

ये उत्पाद सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से आपकी त्वचा की रक्षा करते हैं। अगर आप बाहर जाती हैं तो इस तरह के मॉइस्चराइजर्स का उपयोग जरूर करें ताकि आपकी त्वचा धूप से बची रहे और टैनिंग जैसी समस्याओं से दूर रहे।

यह आपकी त्वचा को नमी देने के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है।

मेकअप बेस के रूप में कर सकता है काम

अगर आप मेकअप करती हैं तो आपको पता होगा कि एक अच्छा बेस कितना जरूरी होता है।

मॉइस्चराइजर आपके मेकअप के लिए बेहतरीन बेस तैयार करता है, जिससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिकता है और फ्लॉलेस दिखता है।

यह त्वचा में नमी बनाए रखता है, जिससे फाउंडेशन और अन्य प्रोडक्ट्स आसानी से ब्लेंड हो जाते हैं।

मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा चिकनी रहती है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक भी आती है, जो आपके लुक को निखार देती है। (आरएनएस)

बालकृष्ण-बोयापति की फिल्म अखंडा 2, थांडवम 25 सितंबर 2025 को होगी रिलीज

तेलुगू सुपरस्टार बालकृष्ण की एक्शन फिल्म 'अखंडा 2= थांडवम' भी देश भर में रिलीज होगी। अभिनेता बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु ने इसकी शूटिंग एक जबरदस्त एक्शन सीन के साथ शुरू कर दी है।

एक्शन फिल्म 'अखंडा 2' में पहली फिल्म के मुकाबले ज्यादा धमाकेदार एक्शन दर्शकों को देखने को मिलेगा। सुपरस्टार बालकृष्ण इसमें अपने एक्शन को एक स्तर और ऊपर लेकर जाएंगे। इसके लिए निर्देशक बोयापति श्रीनु हर संभव कोशिश करेंगे। फिल्म में एक्शन की जिम्मेदारी स्टंट मास्टर राम-लक्ष्मण संभाल रहे हैं। एक कमाल के फाइट सीक्वेंस के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू की गई। फिल्म 'अखंड 2' की शूटिंग हैदराबाद के आरएफसी में हो रही है।

फिल्म 'अखंडा 2' को 14 रील्स प्लस बैनर तले राम अचंता और गोपीचंद अचंता निर्मित कर रहे हैं। साथ ही फिल्म को एम तेजस्विनी नंदमुरी भी प्रस्तुत कर रही हैं। इस फिल्म के साथ टैलेंटेड टेक्निशियन की टीम भी शामिल है, जिसमें म्यूजिक एस थमन, कोरियोग्राफी सी रामप्रसाद, आर्ट डायरेक्टर एएस प्रकाश जैसे नाम शामिल हैं। फिल्म को 25 सितंबर 2025 को दशहरा के खास मौके पर रिलीज किया जाएगा। दशहरे के दिन छुट्टी होगी तो फिल्म को इस बात का फायदा जरूर होगा। 'अखंडा 2' से पहले भी अभिनेता बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु साथ में काम कर चुके हैं। दोनों ने साथ में मिलकर बेहतरीन और हिट फिल्में दी हैं। 'अखंड 2' साथ में इनकी चौथी फिल्म है। बोयापति ने हमेशा ही अपनी फिल्मों में बालकृष्ण को अलग ही अंदाज में पेश किया है, आने वाली फिल्म में भी वह ऐसा ही करेंगे। फिल्म 'अखंड 2' में बालकृष्ण के अलावा कई और नामी कलाकार भी शामिल हैं। अखंडा 2 पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है, जो बालकृष्ण और बोयापति श्रीनु दोनों के लिए पैन इंडिया स्तर पर पहली फिल्म होगी। (आरएनएस)

गैस की समस्या होने पर करें इन चाय का सेवन, जल्द मिलेगा समस्या से छुटकारा

गैस बनने की समस्या तब होती है, जब गले और पेट को जोड़ने वाली एक प्रकार की नली कमजोर हो जाती है और इससे पेट में मौजूद एसिड ऊपर की ओर आ जाता है। यह एक सामान्य शारीरिक समस्या है और इससे डॉक्टरी इलाज की मदद से राहत पाई जा सकती है। वहीं, कुछ हर्बल चाय भी आपको इससे राहत दिला सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी चाय के बारे में बताते हैं।

पुदीने की चाय

पुदीने की चाय का सेवन गैस के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। इस चाय को बनाने के लिए पहले एक पैन में दो कप पानी उबालें, फिर इसमें 10 से 15 पुदीने की पत्तियां डालें और पानी को थोड़ी देर तक उबालें। कुछ सेकंड बाद गैस बंद करके पानी को ढक दें, फिर कुछ मिनट बाद इस चाय को छानकर इसका सेवन करें। आप चाहें तो इस चाय में भी स्वादानुसार शहद मिला सकते हैं।

अदरक की चाय

अदरक की चाय में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो सूजन को कम करने समेत गैस से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। इस चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में दो से तीन कप पानी और थोड़ा सा कदूकस किया हुआ अदरक डालें। इसके बाद कुछ मिनट तक पानी को उबलाकर गैस बंद कर दें। अब इस चाय को छानकर एक कप में डालें, फिर इसमें स्वादानुसार शहद मिलाकर पिएं।

कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी का सेवन भी गैस से राहत दिलाकर पाचन को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। इस चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक गिलास पानी और एक चौथाई कप सूखे कैमोमाइल के फूल डालकर उबालें और जब पानी आधा हो जाए तो गैस बंद करके चाय को छानकर कप में डालें। इसके बाद चाय में स्वादानुसार शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

सौंफ की चाय

इस चाय का सेवन भी गैस की समस्या से राहत दिलाने में सहायक है। सौंफ की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक कप पानी गर्म करें, फिर उसमें एक छोटी चम्मच सौंफ डालकर पानी को एक उबाला दिलाएं। इसके बाद इसमें एक छोटी चम्मच चायपत्ती डालें और चाय अच्छे से कड़ जाए तो गैस बंद कर दें। अब इस चाय को छानकर एक कप में डालें, फिर इसमें स्वादानुसार शहद मिलाकर पिएं।

ब्रांडेड कपड़ों की शॉपिंग में कहीं आप भी तो नहीं खा रहे धोखा!

फैशन के इस बदलते दौर में हर कोई ट्रेंड में रहना चाहता है। हर कोई चाहता है कि स्टाइल के मामले में वो पहले स्थान पर रहे है। फैशन में आगे रहने के चलते आज युवाओं में ब्रांडेड कपड़े खरीदने की होड़ सी लगी है। जिसे देखो वो ही अपने कपड़े, जूते से लेकर बैग्स तक खरीदने के मामले में ब्रांड कॉन्शियस है लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जो चीज़ हम ब्रांड समझ कर खरीदते हैं बाद हमें पता चलता है कि वो सामान नकली है। कई बार लोग खरीदी करते वक़्त ब्रांड्स के नाम पर ठगे जाते हैं। ब्रांडेड कपड़ों से लेकर ब्रांडेड बैग्स तक मार्केट में हर चीज़ की कॉपी मौजूद है। ऐसे में इनकी शॉपिंग करते वक़्त धोखा खा लेना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन क्या आप जानते हैं कि ब्रांडेड कपड़ों में कई ऐसी खासियत होती है जिसे कॉपी नहीं किया जा सकता है। तो चलिए आज हम आपको ब्रांडेड कपड़ों की इन्हीं बारीकियों से रूबरू करवाते हैं, जिससे आगे से शॉपिंग करते वक़्त आप ब्रांडेड कपड़ों की पहचान आसानी से कर पाएंगे।

स्टिचिंग

ब्रांडेड कपड़ों की स्टिचिंग पर ध्यान देकर आप आसानी से पहचान सकते हैं कि यह कपड़ा असली है या नकली। ब्रांडेड कपड़ों की सिलाई सीधी, नीट और एक जैसी होती है। इसमें इस्तेमाल होने वाला धागा भी एक जैसा ही होता है।

जिप

ब्रांडेड कपड़ों की जिप बहुत ही स्मूथ और अच्छी क्वालिटी की होती है। जबकि लोकल कपड़ों की जिप पर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि ये अटकती है और लो क्वालिटी की होती है। ब्रांडेड कपड़ों की पहचान इसकी जिप से करना बहुत ही आसान है। जिप को तेजी से खोले और बंद करें। ऐसा करने से आपको अंदाजा हो जाएगा की कपड़ा ब्रांड का है या लोकल। एक बात का जरुर ध्यान दें, ज्यादातर ब्रांडेड कपड़ों की जिप पर ब्रांड का नाम लिखा होता है।

बटन

ब्रांडेड कपड़ों के बटन पर ब्रांड का नाम लिखा होता है वहीं कॉपी कपड़ों पर सिंपल बटन होता है। अगली बार शॉपिंग करते हुए बटन पर भी जरूर गौर करें।

वीगन डाइट फॉलो कर रहे हैं तो बनाकर खाएं ये डेजर्ट

वीगन डाइट पत्तेदार चीजों पर आधारित होती है और इसमें जानवर या उनसे उत्पादित किसी भी खाद्य पदार्थ को शामिल नहीं किया जाता है जैसे दूध, दही और शहद आदि। यही वजह है कि वीगन डाइट वाले लोग डेजर्ट जैसी चीजों का आनंद नहीं ले पाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अगर आप वीगन डाइट फॉलो कर रहे हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे वीगन डेजर्ट की रेसिपी बताते हैं, जिनको आप बार-बार बनाकर खाना पसंद करेंगे।

वीगन रबड़ी : अगर आप वीगन डाइट पर है तो डेजर्ट के तौर पर वीगन रबड़ी का आनंद ले सकते हैं। इसे बनाने के लिए थोड़े काजू को रातभर बादाम के दूध में भिगोकर रखें, फिर सुबह उठकर इसे ब्लेंडर में डालकर ब्लेंड करें। इसके बाद इस मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं, फिर इसमें बादाम का आटा और चीनी मिलाएं, फिर इसमें केसर, इलायची पाउडर और वनिला एसेंस मिलाएं। अब गैस बंद कर दें और रबड़ी को ठंडा होने के बाद खाएं।

वीगन चॉकलेट आइसक्रीम : सबसे पहले भीगे हुए बादाम को पानी के साथ पीस लें, फिर इस मिश्रण के पानी को छानकर एक पैन में डालें और इसे दो मिनट तक पकाएं, फिर इसे ठंडा होने दें। इसके बाद एक ब्लेंडर में पकाया हुआ बादाम वाला पानी, कोको पाउडर, केला, वेनिला एसेंस और चीनी को एक साथ ब्लेंड करें, फिर इसे एक कंटेनर में डालकर एक घंटे के लिए फ्रीजर में रखें, फिर दोबारा से इस मिश्रण को ब्लेंड करके फ्रीजर में रखें।

वीगन लड्डू : इसे बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को एक पैन में हल्का सुनहरा होने तक भून लें, फिर इसमें अलसी, बादाम का आटा, नमक और वीगन मक्खन डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को तीन-चार मिनट तक भूनें और ठंडा होने दें, फिर इसमें खजूर, इलायची, काजू और गेहूं के आटे का मिश्रण मिलाकर इससे गोल-गोल आकार के लड्डू तैयार कर लें। आप इन लड्डू को पांच दिनों तक स्टोर कर सकते हैं। ब्राउन राइस खीर : सबसे पहले ब्राउन राइस को पानी के साथ 30 मिनट तक पकाएं, फिर जब चावल पक जाएं तो उससे पानी को छान दें। अब एक पैन में बादाम के दूध गर्म करें, फिर उसमें काजू और पकाएं चावल मिला दें, फिर इसमें इलायची के दाने और चीनी डालकर 15-20 मिनट तक पकाएं। इसके बाद खीर में भूने सूखे मेवे डालें और 10-20 मिनट तक और पकाकर गैस बंद कर दें। अंत में खीर पर बादाम गर्निश करके इसका आनंद लें।

ग्रीष्म ऋतु के आरंभ में आहार संबंधी सावधानियाँ

वर्षा श्रीवास्तव

शरद ऋतु के बाद जब गर्मी का मौसम आता है, तब मौसम में अचानक परिवर्तन से हमारे शरीर पर सीधा प्रभाव पड़ता है और हमारी रोग संबंधी क्षमता प्रभावित हो सकती है। आहार विशेषज्ञ के अनुसार, इस समय संतुलित आहार और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना चाहिए, ताकि शरीर गर्मी के प्रभाव से बचा रहे और हम स्वस्थ बने रहे। अगर सही आहार नहीं लिया जाए तो डायरिया, अपच, थकान, मधुमेह, त्वचा संक्रमण और हीटस्ट्रोक जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए मौसम के अनुसार शरीर को ढालना आवश्यक होता है। शरद ऋतु में तैलीय और सुपाच्य भोजन की अधिकता रहती है, लेकिन गर्मी के मौसम में शरीर के लिए पौष्टिक और सुपाच्य भोजन की आवश्यकता होती है। ग्रीष्म ऋतु में शरीर में अधिक मात्रा में पानी की कमी जल्दी हो सकती है, जिससे डायहाइड्रेशन होने की संभावना बनी रहती हैऔर थकान हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि 8-1० गिलास पानी पिएं और नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी और बेल का शरबत जैसे प्राकृतिक पेय लें। मिर्च-मसालेदार और तली-भुनी चीजे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिससे एसिडिटी और पेट की अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए भारी, तैलीय और गरिष्ठ भोजन की बजाय सुपाच्य भोजन करना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए संतुलित भोजन में कार्बोहाइड्रेट से कुल 6०-7० प्रतिशत कैलोरी, प्रोटीन से 1०-12 प्रतिशत कैलोरी, वसा से 2०-25 प्रतिशत कैलोरी शामील होना चाहिए। ग्रीष्म ऋतु में खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा, संतरा, अनानास जैसे फलों का सेवन शरीर को निर्धारित और आवश्यक विटामिन प्रदान करते है। बहुत अधिक शीतल पेय पदार्थ और कोल्ड ड्रिंक का सेवन से अचानक तापमान परिवर्तन हो सकता है, जिससे गले में क्षति (खराश) और विषाक्तता हो सकती है। जबकि बहुत अधिक गर्म भोजन से शरीर का तापमान असंतुलित हो सकता है। इसलिए, आहार विशेषज्ञ इस मौसम में सामान्य तापमान वाले भोजन और पेय लेने की सलाह देते हैं। चाय, सिगरेट और शराब जैसे पेय पदार्थ शरीर में जल की मात्रा को कम कर सकते हैं और डायहाइड्रेशन बढ़ा सकते हैं। गर्मी में इनका सेवन कम से कम करना चाहिए। आहार विशेषज्ञ के अनुसार, शरद ऋतु की समाप्ति और ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत में खान पान में अनुशासन और सावधानी बहुत जरूरी है। ताजा और पोषणयुक्त भोजनकर और पानी की मात्रा आधारित संरचना से हम शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं और गर्मी में शरीर को एनर्जीवान बनाए रखा जा सकता है, बल्कि कई प्रकार के ग्लूकोज से भरपूर आहार लेने से भी बचा जा सकता है। सही आहार का पालन करके हम गर्मी के प्रभाव को कम कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

शांति की संभावना कम!

अमेरिका ने यूक्रेन को युद्धविराम पर राजी करने के बाद कहा कि 'गेंद अब रूस के पाले में है'। यूरोपीय नेताओं ने भी सऊदी अरब में हुई अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के नतीजों का स्वागत करते हुए यही बात दोहराई है। राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की के युद्धविराम पर राजी होने से प्रसन्न डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन के लिए सैनिक मदद फिर शुरू कर दी है। बहरहाल, जेलेन्स्की के बदले ताजा रुख से सचमुच लड़ाई रुकने की संभावना कम ही है। इसलिए कि इसके पहले जब सऊदी अरब में ही अमेरिका और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के वार्ता हुई थी, तो उस समय रूस ने साफ कहा था कि वह युद्धविराम नहीं, बल्कि शांति का संपूर्ण समझौता चाहता है, जिसमें उसके सुरक्षा हितों की गारंटी हो। इसका अर्थ है कि पहले उन कारणों को दूर करने पर सहमति बने, जिनकी वजह से युद्ध हुआ। इनमें नाटो में यूक्रेन की सदस्यता सर्व-प्रमुख है। रूस के नजरिए में सिर्फ युद्धविराम से यूक्रेन को हथियार जुटाने और अगली लड़ाई के लिए पुनर्संगठित होने का मौका मिलेगा, जिसे वह नहीं देना चाहता। ऐसी सूरत में लड़ाई रुकने की संभावना तभी बनेगी, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप व्यक्तिगत रूप से 3० दिन के युद्धविराम के अंदर संपूर्ण शांति समझौता का भरोसा रूस को दिलाएं। उनके प्रशासन ने हथियारों की सप्लाई दोबारा शुरू कर यह काम ज्यादा कठिन बना दिया है। अमेरिका- यूक्रेन की वार्ता के बाद रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रस्तावित संघर्ष-विराम उन्हें मंजूर है या नहीं, इस पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें इस बारे में अमेरिका से जानकारी मिलना जरूरी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप के बीच फोन कॉल की संभावना पर उन्होंने कहा कि जरूरत पडने पर इसकी बहुत जल्द व्यवस्था की जा सकती है। यानी रूस को अपेक्षा है कि वार्ता के परिणामों की जानकारी खुद ट्रंप पुतिन को देंगे। इस बीच रूस ने क्रुस्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों पर बड़ी सफलता पाई है। पुतिन वहां सैनिक परिधान पहन कर गए, जिसे भी रूस की ओर से दिए गए एक संदेश के रूप मे देखा गया है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इक छोटी सी मुस्कान जो लाए जीवन में खुशियों का पैगाम!

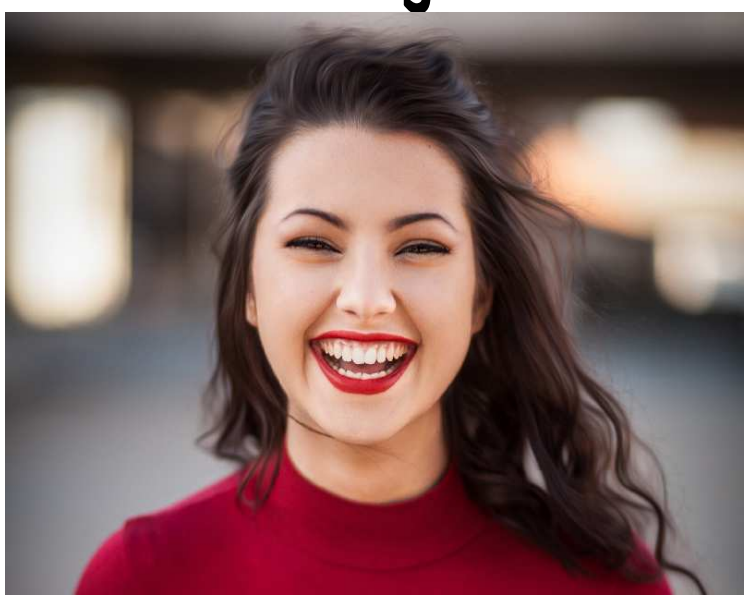

इत्ती सी हंसी, इत्ती सी खुशी एक टुकड़ा चांद का.. बर्फी फिल्म के इस गाने को सुनकर हर कोई खुश हो जाता है या अपनों के बीच खुशी का अनुभव करता है। खुशी और मुस्कान दोनों एक-दूसरे के साथी है जो अगर किसी व्यक्ति के जीवन में आज जाएं तो जिंदगी जीने की उम्र बढ़ जाती है। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में मुस्कान और खुशी गायब सी हो गई है इसे बनाएं रखने के लिए आप खास तरीके अपना सकते है।

यहां पर अपनी जिंदगी को खुशहाल बनाने के लिए आप इन तरीकों को अपना सकते है जो इस प्रकार है..

1-अपनों से करें बातचीत

आजकल की लाइफस्टाइल लोगों की पहले जैसी नहीं रहीं यानि हर कोई बिजी लाइफ जी रहे है। व्यस्त जीवनशैली में किसी के पास किसी के लिए वक्त नहीं है इसकी वजह से मानसिक तनाव और चिंता ने घर बना लिया है। बचपन में जब स्मार्टफोन वाली जिंदगी नहीं थी तब लोग अपनों के साथ बैठकर अपने सुख-दुख शेयर करते थे। लेकिन वक्त के साथ लोगों के पास अब किसी के लिए क्या अपने लिए खुद समय नहीं है। इसकी वजह से स्ट्रेस के बवंडर में डूब रहते है। अगर आप खुशहाल जिंदगी और अपनी उम्र बढ़ाना चाहते है तो अपने परिवार, करीबियों और दोस्तों से बातचीत करें. उनके साथ समय बिताएं. बात करने से दूरी कम होती है और चिंता व अवसाद की स्थिति से भी राहत मिलती है।

2- बनाएं योग और एक्सरसाइज को लाइफ का हिस्सा

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई इतने व्यस्त होते है कि, खुद के लिए समय निकाल नहीं पाते है जिसका असर सेहत पर पड़ता है। इसके लिए आप योग, ध्यान और एक्सरसाइज का फार्मूला अपनाएं जो आपको स्वस्थ रखने के साथ ही मन को शांत रखता है। इसके अलावा आप निगेटिव विचार भी नहीं आते है।

3-हर काम को करें एन्जॉय

ऐसा नहीं है कि, कुछ काम आपके लिए बनें है और कुछ नहीं, आपको हर काम को खुशी के साथ करना चाहिए। केवल छुट्टियों में ही खुश रहने की कोशिश नहीं करें बल्कि रोजाना आप जीवन में छोटी-छोटी चीजों में खुशियां तलाश सकते हैं. ऐसे में सुबह परिवार या दोस्तों के साथ सैर पर जाना, किसी स्पोर्ट्स या मूवी देखना, साथ में बैठकर खाना खाना, डांस करना या ऑफिस के काम में खुशी तलाशना आपके लिए सही है।

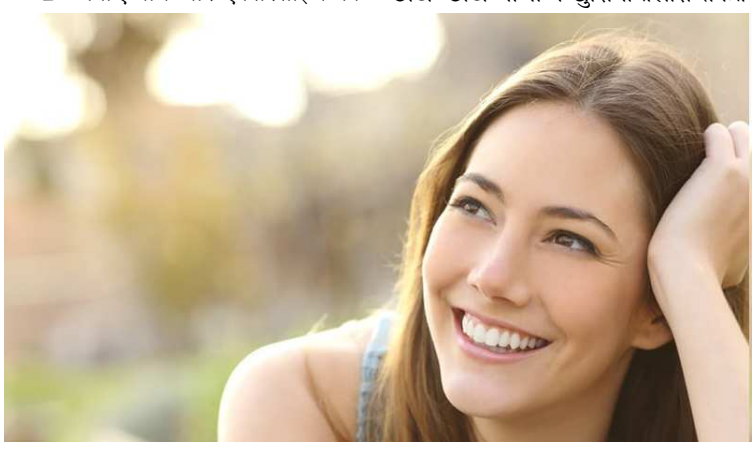

4- घूमने का बनाएं प्लान

यहां पर आप आप अपनी जिंदगी को खुशनुमा बनाना चाहते है तो, घूमना या सफर करना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन में से एक है। दो-तीन दिन का वक्त निकालकर कहीं सफर पर जाना बेहतरीन साबित होता है. दोस्तों, परिवार या फिर सोलो ट्रेवलिंग से मूड फ्रेश रहता है. इसके अलावा किसी पार्क, मंदिर या प्राकृतिक जगहों पर भी जा सकते हैं। आप अपनी हॉबी किताब पढ़ना, संगीत सुनना आदि कर सकते है।

5- नया सीखें

आप अपने रोजाना काम और लाइफस्टाइल को अपनाकर बोर हो जाते है इसके लिए आपको अपना मनपसंद काम करना चाहिए। इसके लिए आप कुछ नया सीखने पर जोर डालें। इसके लिए आप डांस क्लास, कुकिंग क्लास, पेंटिंग या अन्य किसी भी गतिविधि में शामिल होकर स्ट्रेस को कम किया जा सकता है, जिससे जीवन में उत्सुकता बरकरार रहती है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -77

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. टुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

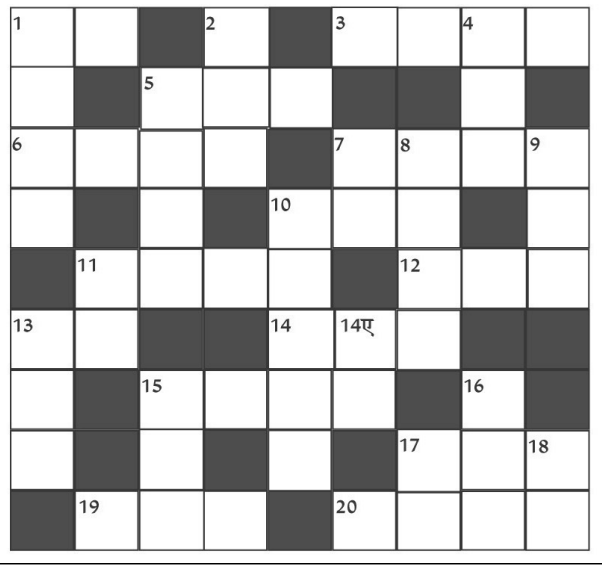

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 76 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की रिलीज डेट आउट

अभिनेता वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर अपकमिंग फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अक्षय ओबेरॉय, मनीष पॉल और मानिनी चड्ढा ने काम किया है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' और 'धडक़' के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, निर्माण में देरी के कारण अब यह सितंबर में रिलीज होगी।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' वरुण धवन और जान्हवी कपूर की दूसरी फिल्म है, इससे पहले वे नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'बवाल' में साथ काम कर चुके हैं। इस रोमांटिक-कॉमेडी का निर्माण करण जौहर, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान ने किया है। वरुण ने हाल ही में मनीष पॉल के साथ वैनिटी वैन में बिताए कुछ मजेदार पलों की झलक प्रशंसकों को दिखाई थी।

फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने सेट के माहौल पर बात करते हुए उसे फन जॉइंट फैमिली एक्सपीरियंस बताया था। सेट के अपने अनुभव के बारे में अक्षय ने बताया कि यहां का माहौल बेहद खास और उम्दा है। फिल्म की शूटिंग राजस्थान के जयपुर और जोधपुर जैसे खूबसूरत लोकेशन्स पर हो रही है।

अक्षय ने कहा, यह सेट नहीं बल्कि एक बड़े, मजेदार संयुक्त परिवार का हिस्सा होने जैसा है और इसका सारा श्रेय शशांक को जाता है। हम साथ में खाना खाते हैं, साथ में मजेदार बातें करते हैं और साथ में वर्कआउट भी करते हैं। यहां की एनर्जी इतनी सकारात्मक और सहयोगात्मक है, जो सेट पर गुजारे लंबे समय को मजेदार बनाती है। उन्होंने कहा, चाहे शॉट्स के बीच में खाना पीना हो या वरुण और अन्य लोगों के साथ फिटनेस टिप्स शेयर करना हो, यह एक बेहतरीन जुगलबंदी है जो पूरे अनुभव को खास बना देती है। (आरएनएस)

हर पल आखिरी लगता है...धर्मेंद्र की बातें सुन भावुक हुए फैंस!

हिंदी सिने जगत के ही मैन धर्मेंद्र जितना अपनी अदायगी से दर्शकों को लुभाते हैं उतना ही सोशल मीडिया पोस्ट से भी छाए रहते हैं। एक नई पोस्ट में 89 वर्षीय अभिनेता ने दिल की बात शायराना अंदाज में बयां की तो प्रशंसक भावुक हो उठे। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर अपना पोट्रेट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर पल लगता हैज्ज् पल ये आखिरी है। जी भर कर लूं बातें मैं आपसे, ऐसा सभी को लगता है। हमेशा साहसी और पॉजिटिव बने रहो दोस्तों। सोशल मीडिया पर खासा पसंद किए जाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र की लेटेस्ट पोस्ट पर उनके बेटे और अभिनेता सनी देओल ने दिल वाले इमोजी के साथ अपने जज्बात दिखाए। वहीं, उनके प्रशंसक भावुक नजर आए और कमेंट कर अभिनेता से कहा कि वह ऐसी बातें न किया करें। एक यूजर ने लिखा, उगता हुआ सूरज आपको दुआ दे, खिलता हुआ फूल आपको खुशबू दे, हम तो देने के काबिल नहीं हैं, देने वाला आपको हजार खुशियां दे। सर, आप जैसा इंसान, आप जैसा एक्टर इस दुनिया में दोबारा नहीं मिलेगा। दूसरे यूजर ने लिखा, सर, आप उदास क्यों हैं? तीसरे ने लिखा, ऐसा मत बोलिए सर जी। एक अन्य यूजर ने धर्मेंद्र को जिंदादिल बताते हुए आगे लिखा, धरम जी, सपने में भी कभी ऐसा ख्याल न लाइए। आप ऐसी बातें ना करें। आपको नहीं पता कि आप कितनों को जीने का हौसला देते हैं। आप खुश, दीर्घायु और हमेशा स्वस्थ रहें। ईश्वर से यही प्रार्थना है।

इससे पहले धर्मेंद्र ने होली के मौके पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में छोटे बच्चे टीवी के सामने मस्ती करते नजर आए। टीवी पर पाजी का गाना तू जो कहेगा मैं वो सब करूंगा... बज रहा है। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए धर्मेंद्र ने कैप्शन में लिखा, देखिए कैसे ये बच्चे मेरे पुराने गाने का लुत्फ उठा रहे हैं।

तू जो कहेगा मैं वो सब करूंगा... गाना फिल्म मां का है, जिसे आवाज मोहम्मद रफी ने दी थी। (आरएनएस)

समीरा रेड्डी ने की वेट ट्रेनिंग के बारे में अपनी गलतफहमी पर बात

समीरा रेड्डी ने वेट ट्रेनिंग यानी वजन उठाने की एक्सरसाइज को लेकर अपनी गलतफहमी के बारे में बताया। समीरा रेड्डी ने मैंने दिल तुझको दिया, रेस और मुसाफिर जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने फिटनेस के लिए कई बार वेट ट्रेनिंग की है।

समीरा इन दिनों भी अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह जिम में लैंडमाइन सुमो स्चट्स करती दिख रही हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा - एक फॉलोअर ने पूछा कि क्या मैंने आज वर्कआउट किया? अब जब सवाल आया तो मुझे सबूत भी दिखाना पड़ा।

समीरा ने आगे बताया कि उन्हें हमेशा लगता था कि वजन उठाने से शरीर भारी और मोटा हो जाता है, लेकिन असल में यह सिर्फ एक भ्रम है। हकीकत में, वजन उठाने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं, मेटाबॉलिजम तेज होता है और शरीर की ताकत बढ़ती है, और मोटापा नहीं बढ़ता है।

उन्होंने कहा - मुझे लगता था कि वेट ट्रेनिंग से शरीर भारी हो जाता है, लेकिन अब समझ आया कि यह एक बहुत बड़ी गलतफहमी है।

समीर उन चुनिंदा भारतीय अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने छह से ज्यादा भाषाओं में काम किया है। फिल्मों में आने से पहले, उन्होंने 1997 में गजल गायक पंकज उधास के म्यूजिक वीडियो और आहिस्ता में काम किया था।

इसके बाद बॉलीवुड में उनकी एंट्री हुई और 2002 में मैंने दिल तुझको दिया में अहम भूमिका निभाई। 2004 में वे मुसाफिर में अनिल कपूर, आदित्य पंचोली और कोएना मित्रा के साथ नजर आईं।

दक्षिण भारत में भी उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग रही है। वहां उन्होंने वारणम आयिरम से डेब्यू किया और डरना मना है, जय चिरंजीवा, टैक्सी नंबर 9211, अशोक, रेस, दे दना दन, आक्रोश, वेट्टई और तेज जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया।

उनकी आखिरी फिल्म वरधानायक थी, जो 2013 में रिलीज हुई एक एक्शन फिल्म थी। इसे अयप्पा पी. शर्मा ने निर्देशित किया था और इसमें सुदीप, चिरंजीवी सरजा और निकेशा पटेल भी थे। 2014 में समीर ने बिजनेसमैन अक्षय वर्दे से शादी की। अब उनके एक बेटा और एक बेटी हैं।

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बताया, क्यों खास है फिल्म 'ओडेला 2

बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओडेला 2' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह फिल्म सुपरनेचुरल बैकड्रॉप और आध्यात्मिक पहलू के साथ बनाई जा रही है।

एक्ट्रेस ने यह भी कहा है कि यह फिल्म आज के समाज में आने वाली समस्याओं पर केंद्रित होगी। ओडेला 2 के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने बताया, यह एक फैंटेसी मूवी है और इसे थिएटर में देखना अनुभव शानदार है। इसमें सुपरनेचुरल बैकड्रॉप और थोड़ा सा आध्यात्मिक पहलू भी है। इन सभी चीजों ने मुझे बहुत आकर्षित किया।

अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें ऐसी फिल्में पसंद हैं क्योंकि वे लार्जर दैन लाइफ होती हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस तरह का सिनेमा पसंद है, क्योंकि बचपन में मुझे ऐसी फिल्में पसंद थीं, जो लार्जर दैन लाइफ होती हैं और आपको एक अलग दुनिया में ले जाती हैं। मुझे पता चला कि फिल्म का टीजर पहली बार काशी में लॉन्च किया गया था।

उन्होंने आगे बताया कि फिल्म आज के समय की समस्याओं पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा, यह आज हमारे लिए कुछ हद तक प्रासंगिक है, यह उन मुद्दों और समस्याओं से संबंधित है, जिनका हम आज एक समाज के रूप में सामना करते हैं। यह अंत में आपको बहुत बड़ा और सशक्त संदेश देती है।

तमन्ना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्मों को ऐसा ही करना चाहिए। उन्हें आपको उम्मीद देनी चाहिए, क्योंकि यही कारण है कि मैंने एक्ट्रेस बनने का निर्णय लिया। मैं एक्ट्रेस इसलिए बनी, क्योंकि इसने मुझे आशावादी बनाया। यह फिल्म भी लोगों को यही एहसास दिलाएगी।

बता दें कि ओडेला 2 अशोक तेजा द्वारा निर्देशित एक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में तमन्ना भाटिया, हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन. सिम्हा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंदर रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी भी अहम किरदारों में हैं।

चुनाव से पहले एजेंडे की तलाश में पार्टियां

अजीत द्विवेदी

इस साल के अंत में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है और अगले साल मई में पांच राज्यों, पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव होगा।

इन छह राज्यों के चुनावों की तैयारियां अभी से हो रही हैं। सभी पार्टियों ने कमर कस ली है और अभी से एजेंडा तय हो रहा है। बिहार चुनाव सात महीने बाद हैं लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में डेरा डालने की बात कह कर चुनाव की तैयारियों का आभास करा दिया है।

इन छह राज्यों के चुनाव से पहले एक बड़ा सवाल यह है कि क्या कहीं भी राज्य सरकारों के कामकाज के आधार पर चुनाव होगा या विपक्षी पार्टियां विकास का मुद्दा उठा कर, राज्य सरकार की विफलता गिना कर, उसे कठघरे में खड़ा करके चुनाव लड़ेंगी?

ये सवाल इसलिए है क्योंकि सभी छह राज्यों में चुनाव की जो तैयारी चल रही है या जो एजेंडे तय किए जा रहे हैं वे सामान्य राजनीतिक मुद्दे नहीं हैं। उसमें विकास का मुद्दा नदारद है, सरकारों के कामकाज या उसकी सफलता-विफलता का मुद्दा गायब है और भावनात्मक मुद्दे हावी हैं।

सबसे पहले बिहार की बात करें तोज

सबसे पहले बिहार की बात करें तो वहां पिछले 20 साल से जनता दल यू के नेतृत्व वाली सरकार है। नीतीश कुमार ने खुद करीब 19 साल तक सरकार का नेतृत्व किया है और नौ महीने के लिए उनके प्रॉक्सी के तौर पर उनकी पार्टी के जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री रहे थे।

इन 20 वर्षों में करीब साढ़े तीन साल राष्ट्रीय जनता दल के साथ उन्होंने सरकार चलाई और करीब दो साल अकेले चलाई। बाकी साढ़े 14 साल भाजपा के साथ उनकी सरकार चली है। लेकिन चुनाव में उनकी 20 साल की उपलब्धियों का कहीं जिक्र नहीं है।

एनडीए में शामिल सभी घटक दल चाहे वह जनता दल यू हो या भाजपा या बाकी छोटी पार्टियां हों सब इस आधार पर चुनाव लडने की तैयारी कर रही हैं कि बिहार के लोगों को लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के कथित जंगल राज की याद दिलानी है,

लोगों को जंगल राज का भय दिखाना है, उनको डराना है और लालू प्रसाद के परिवार को सत्ता में आने से रोकने के नाम पर वोट का ध्रुवीकरण कराना है।

अगर कोई कसर रहती है तो भाजपा के नेता सांप्रदायिक भाषणों से उसे पूरा करेंगे। भाजपा के एक विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने इस बार होली के दिन मुसलमानों को घर में ही बंद रहने की सलाह देकर संकेत दे दिया है कि आगे किस तरह की राजनीति होने वाली है।

नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल

दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जरूर नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन वह औपचारिकता भर है। उनका भी फोकस जाति का ध्रुवीकरण कराने पर है।

वे मुस्लिम, यादव के अपने पिता के बनाए माई समीकरण में मुकेश सहनी के सहारे मल्लाह और कांग्रेस के सहारे कुछ दलित व सवर्ण वोट जोडने की कोशिश में हैं।

उनका मुख्य चुनावी एजेंडा नीतीश कुमार की मानसिक सेहत और आरक्षण की सीमा बढ़ाने पर लगाई गई अदालती रोक है। वे एनडीए को आरक्षण चोर बता कर चुनावी लड़ाई की तैयारी में हैं।

अगले साल जिन राज्यों में विधानसभा चुनावों हैं उनमें तमिलनाडु ने चुनाव तैयारियों और एजेंडा तय करने की सबसे पहले शुरुआत की है। एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके लग नहीं रहा है कि सरकार के पांच साल के कामकाज पर चुनाव लड़ेगी।

स्टालिन ने परिसीमन का हौव्वा खड़ा किया है, जबकि अभी यह तय नहीं है कि कब परिसीमन होगा क्योंकि उससे पहले जनगणना होनी है और हो सकता है कि परिसीमन से पहले ही राज्य में विधानसभा चुनाव हो जाए।

लेकिन वे अभी से राज्य के लोगों को डरा रहे हैं कि परिसीमन से लोकसभा की आठ सीटें कम हो जाएंगी और दिल्ली में तमिलनाडु के साथ साथ सभी दक्षिणी राज्यों की आवाज दबा दी जाएगी।

इस पर वे खूब राजनीति कर रहे हैं। इसी तरह नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले के आधार पर हिंदी थोपने का भी मुद्दा उन्होंने चर्चा में ला दिया है। ये सभी भावनात्मक मुद्दे हैं।

इनका बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने के लिए स्टालिन ने 22 मार्च को सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पूर्व मुख्यमंत्रियों की एक बैठक चेन्नई में बुलाई है।

मजबूरी में मुख्य विपक्षी अन्ना डीएमके भी इन मुद्दों पर सरकार का साथ दे रही है। दूसरी ओर भाजपा सनातन धर्म पर दिए उदयनिधि स्टालिन के बयान को चुनावी मुद्दा बना रही है।

राजनीति का अभी तक का सबसे निचला स्तर

पश्चिम बंगाल में पिछले 14 साल से सरकार चला रही ममता बनर्जी मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चुनाव लडने की तैयारी कर रही हैं। उनके पास एक बना बनाया स्थायी मुद्दा बांग्ला अस्मिता का है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बरक्स अपना चेहरा दिखा कर वे अस्मिता की राजनीति कर ले जाती हैं। संयोग भी ऐसा है कि भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद राज्य में अपना कोई नेता नहीं खड़ा कर पाई है।

उसके पास ले देकर ममता की पार्टी से आए सुवेंदु अधिकारी हैं, जिनके लिए इस बार के चुनाव का मुख्य मुद्दा यह है कि अगर भाजपा चुनाव जीती तो सभी मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से निकाल कर बाहर फेंक देंगे।

यह हिंदू मुस्लिम राजनीति का अभी तक का सबसे निचला स्तर माना जा सकता है। हालांकि ऐसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मुद्दा कितना काम आएगा यह नहीं कहा जा सकता है। आखिर पिछले तीन चुनावों से भाजपा ऐसे ही मुद्दों पर लड़ रही है। लेकिन कामयाबी नहीं मिली है।

असम में नौ साल से भाजपा का राज है और अगले साल चुनाव में उसे अपने दो कार्यकाल के कामकाज का हिसाब देना है। साथ ही केंद्र की सरकार के 12 साल का भी हिसाब देना है।

सोचें, राज्य में पिछले 10 साल से डबल इंजन की सरकार चल रही है लेकिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा मियां मौलवी का मुद्दा उठा कर चुनाव लड़ेंगे।

वे मदरसे बंद कराने या मुस्लिमों में प्रचलित बहुविवाह रोकने, समान नागरिक कानून बनाने, नागरिक रजिस्टर जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे।

अपनी सरकार के कामकाज का हिसाब देने की बजाय उनके लिए बड़ा मुद्दा यह है कि जोरहाट से कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई की पत्नी ब्रिटिश हैं और पाकिस्तान के एक व्यक्ति के साथ काम कर चुकी हैं।

इस आधार पर वे गौरव गोगोई की पत्नी को पाकिस्तान का एजेंट बता रहे हैं। कांग्रेस के पास डबल इंजन सरकार के कामकाज का बड़ा मुद्दा है लेकिन वह भी हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार की ओर से उठाए जा रहे मुद्दों के बरक्स ऐसे ही मुद्दों की तलाश कर रही है।

सू- दोकू क्र.77

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.76का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	6	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

देश में धार्मिक उन्माद की घटनायें बढ़ना चिंता की बात

रानू राजपूत

हमारे देश में लगातार धार्मिक उन्माद की घटनाएं बढ़ रही हैं। पिछले दिनों औरंगजेब की कब्र को हटाने को लेकर महाराष्ट्र के नागपुर सहित कुछ शहरों में उपद्रव हुए। इसके पहले इंदौर जिले के महू में 9 मार्च को भारत के क्रिकेट में जीत के उपलक्ष में निकाले जा रहे जुलूस पर कथित तौर पर पथराव की घटना हुई। होली पर भी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में हिंसक घटनाएं हुई हैं। इधर सोमवार को दिल्ली के जंतर मंतर में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने धरना दिया, जिसमें कुछ मौलानाओं ने विधेयक संसद में पेश होने पर देश में आग लगाने की धमकियां दी। असदुद्दीन ओवेसी, इमरान मसूद, अबू आजमी, टी राजा, नीतेश राणे, गिरिराज किशोर जैसे नेता लगातार सांप्रदायिक आधार पर बयान बाजी करते रहते हैं। जाहिर है देश में धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत में औरंगजेब को क्रूर और अत्याचारी शासक माना गया है। हमारे मुसलमान भाई भी खुद को औरंगजेब से नहीं जोड़ते। यही वजह है कि भारतीय मुसलमान अपने बच्चों का नाम औरंगजेब पर नहीं रखते।

औरंगजेब की मजार 1707 में निर्मित की गई। इस कब्र को हटाने की या तोडने की मांग करना ठीक नहीं है। इसी तरह 300 वर्ष पूर्व किसी मुगल शासक द्वारा किए गए अत्याचार का बदला आज की पीढ़ी से नहीं लिया जा सकता। यह सब बंद होना चाहिए। ऐसा लगता है नियोजित तरीके से उन्माद भडकाया जा रहा है। केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों को इस मामले में

File photo

कड़े कदम उठाने होंगे। आमतौर पर भारतीय मानस सहिष्णु और सहनशील होता है। इसलिए धर्म के आधार पर सियासत बंद होनी चाहिए। विवादास्पद बयान बाजी या हेट स्पीच देने वाले नेताओं पर तुरंत और कड़ी कार्रवाई होना जरुरी है। देश इस तरह का सांप्रदायिक तनाव बर्दाश्त नहीं कर सकता। सभी को यह समझना होगा कि धार्मिक सहिष्णुता और मेल-मिलाप की भावना कई समस्याओं का अचूक समाधान है। यह भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। दुनियाभर में व्याप्त उग्रवाद, हिंसा और विघटन जैसी समस्याओं का समाधान धार्मिक सहिष्णुता के जरिये हो सकता है। धर्म जीवन जीने का तरीका सिखाता है।वहीं उच्चस्तरीय मूल्यों की समझ और सद्भाव को पैदा करता है।ऐसे में अगर सभी धर्मो के प्रति मन में सद्भाव हो तो दुनिया के लिए चुनौती बनने वाली समस्याओं का समाधान संभव हो जाएगा। साथ ही जीवन मूल्यों के प्रति आदर का संचार होगा।

दरअसल, धर्म जीवन शैली का सबसे बड़ा मार्गदर्शक है, लेकिन इसे सामाजिक दुर्भाग्य ही कहेंगे कि आज धर्म और उसके प्रति सम्मान के भाव बढ़ाने वाले तत्वों से ज्यादा धार्मिक उन्माद की स्थिति पैदा करने वालों की संख्या अधिक है। सामाजिक विविधता की कसौटी पर देखें तो भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में है जहां अलग-अलग धर्मों और मतों को मानने वाले समूहों या समुदायों को पूरी आजादी है।देश का संविधान यहां के सभी नागरिकों को अपनी आस्था के निर्वाह का अधिकार और गारंटी देता है। भारत ने लंबे समय तक आतंकवाद का दंश झेला है। 5 वर्ष पूर्व हुई कोरोना महामारी के बाद बड़ी मुश्किल से हमारा देश आर्थिक विकास की पटरी पर लौटा है। ऐसे में हम किसी भी प्रकार की अस्थिरता और अशांति बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है। जाहिर है केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ देश की जनता को भी इस मामले में सजग होना पड़ेगा। हमें आपसी सद्भाव और भाईचारा बना कर रखना पड़ेगा जिससे आतंकियों और देश विरोधी संगठनों के नापाक मंसूबे विफल हो जाएं। शांति भंग करने वाले सभी तत्वों से सरकारों को कड़ाई से निपटना होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

अश्लील इशारे कर रही 6 महिलाएं हिरासत में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वेश्यावृति के चलते ग्राहकों को लुभाने के लिए अश्लील इशारे कर रही 6 महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस की इस कार्यवाही की आम जन द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी है। जानकारी के अनुसार विगत कुछ दिनो से स्थानीय लोगो की शिकायते आ रही थी कि बस स्टेशन, शताब्दी गेट, के पास कुछ बाहरी महिलाये यात्रियों को अश्लील इशारे करके अपने तरफ आकर्षित करती है जिससे शिक्षा नगरी की छवि धूमिल हो रही हैं। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के दिशा-निर्देशों के क्रम में कोतवाली रुड़की ने उक्त महिलाओ के विरुद्ध रोडवेज बस अड्डे के पास अभियान चलाते हुए 6 महिलाओं को हिरासत में लिया। ये महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील इशारे कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

गौकशी करते 2 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौकशी करते दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 90 किलो गौमांस व गौकशी के उपकरण बरामद किये गये है। हालांकि इस दौरान दो आरोपी फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि सुल्तानपुर क्षेत्र में कुछ लोग गौकशी कर रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से 90 किलो गौमांस, व गौकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किये गये है। हालांकि इस दौरान दो आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश जारी है। पूछताछ में गिरफ्तार हुए लोगों ने अपना नाम नसीम काणा पुत्र हनीफ निवासी सुल्तानपुर कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार व नसीम पुत्र नूरहसन निवासी सुल्तानपुर कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

नशे के कारोबार मे लिप्त महिला गैगस्टर...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मामले में पहले भी जेल जा चुकी हैं। देहरादून पुलिस द्वारा मेराज के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की जा चुकी है। उक्त महिला बहुत ही शातिर किस्म की अपराधी हैं, जो सहसपुर देहरादून से ही यमुना घाटी के नवयुवको स्मैक सप्लाई(उपलब्ध)कराती थी, जिसके एवज में वह नवयुवकों से काफी धनराशि वसूलती हैं। मेराज उर्फ मेहराज यमुना घाटी व देहरादून में भाभी के नाम से मशहूर हैं। यह भी प्रकाश में आया कि यमुना घाटी के नशे के आदि सभी नवयुवकों को मेराज उर्फ भाभी ही स्मैक उपलब्ध कराती है। पुलिस द्वारा मेराज के खिलाफ धारा एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत कार्रवाई करते हुये साक्ष्य एकत्र कर गहन पतारसी-सुरागरसी के उपरान्त आरोपी को कल उसके घर देहरादून, सहसपुर, खुशहालपुर में दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। उक्त मामले में पुलिस द्वारा मेराज उर्फ मेहराज के साथ स्मैक व्यापार में शामिल अन्य लोगों की कुण्डलियां भी खंगाली जा रही हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चारधाम यात्राः पुलिस ने ली होटल व्यवसायियों व टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों की मीटिंग

संवाददाता

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा को ध्यान में रखते हुए धरासू पुलिस ने होटल व्यासाइयों व टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां आगामी चारधाम यात्रा सीजन 2025 को सरल, सुगम तथा निर्बाध रुप से संपन्न करवाने हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन मे उत्तरकाशी पुलिस लगातार यात्रा व्यवस्थाओं/तैयारियों मे जुटी है। आज प्रभारी निरीक्षक धरासू, दिनेश कुमार ब्रह्मखाल क्षेत्रान्तर्गत स्थित होटल, होमस्टे, ढाबा संचालको एंव टैक्सी युनियन के लोगो के साथ चौकी गेवाला (ब्रह्मखाल) में मीटिंग आयोजित की गयी। मीटिंग मे आगामी चारधाम यात्रा सीजन 2025 सकुशल सम्पन्न् करवाने के दृष्टिगत सभी व्यवसायियों, कारोबारियों एवं टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ चर्चा परिचर्चा की गयी। एसएचओ धरासू द्वारा सभी को अभी से आगे की आगामी यात्रा हेतु रुप-रेखा तैयार कर यातायात प्रबंधन व यात्रा व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने तथा चारधाम यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने मे पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी। होटल, होमस्टे में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की आईडी के साथ निर्धारित रजिस्टर में सम्पूर्ण नाम पता मोबाइल नंबर को अभिलिखित करने, होटल, होमस्टे आदि में सीसीटीवी कार्यशील स्थिति में रखने, होटल मे फायर उपकरण, पानी, रेत आदि की उचित व्यवस्था, होटल/ढाबा पर में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी/मजदूर का पुलिस वेरिफिकेशन करवाने, विदेशी नागरिक के संस्थान में ठहरने पर फॉर्म सी के माध्यम से स्थानीय एलआईयू विभाग को तत्काल सूचित करने, होटल, होमस्टे एंव ढाबो में पार्किंग की उचित व्यवस्था, टैक्सी चालको को अपने अपने वाहन सडक के किनारे खडे करने के बजाय पूर्व से ही अलग पार्किंग निर्धारित करने की हिदायतें के साथ आपातकालीन सेवाओं से संबंधित मोबाइल नंबर/फोन नंबर, रेटलिस्ट सदृष्य स्थान चस्पा करने, किसी भी अप्रिय घटना, संदिग्धता पर तत्काल थाना धरासू. अथवा 112 पर सूचना देने, नाबालिक, स्कूली छात्र, छात्राओं आदि को बिना आवश्यक कारण जाने अपने संस्थान में न ढहराने के अतिरिक्त स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण का विशेष ध्यान रखने हेतु बताया गया। होटल, होमस्टे, ढाबा संचालको एंव टैक्सी यूनियन के सदस्यो का एक व्हाटसप ग्रुप बनाया गया जिसके माध्यम से यात्रा के दौरान हो रही हर एक जानकारी व्हाटसप के माध्यम से प्रचार-प्रसार हो ताकि किसी भी प्रकार की समस्या का निवारण तत्काल हो सके।

पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव में चालक को मैक्स वाहन के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में चालक को मैक्स वाहन के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आयुष अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु ओवर स्पीडिंग ओवर, लोडिंग, वाहन चलते मोबाइल का प्रयोग ड्रंक एंड ड्राइव में सभी थाना प्रभारियों एवं यातायात पुलिस को कारवाही करने के आदेश दिए गए हैं। इसी क्रम में अभियान के तहत चंबा पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान मैक्स वाहन के चालक मंदीप पुत्र कमल निवासी ग्राम मनोगी थाना चंबा टिहरी गढ़वाल को शराब के नशे में उक्त वाहन चलाते पाए जाने पर चंबा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर वाहन को सीज किया गया।

सिंगापुर में बेटी के एडमिशन के नाम पर ठगे 11 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। सिंगापुर में बेटी का एडमिशन कराने के नाम पर 11 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्दिरापुरम जीएमएस रोड निवासी रोहित अरोडा उर्फ टिंकल अरोडा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह वीरेन्द्र अरोडा उर्फ राणा को लगभग 20 वर्ष से जानता था तथा उसकी उससे अच्छी जान पहचान थी तो उसके द्वारा वीरेन्द्र अरोड़ा उर्फ राणा से कहा कि उनकी बेटी दिव्या अरोडा सप्लाई चेन मैनजमेंट का कोर्स सिंगापुर से करना चाहती है तो वीरेन्द्र अरोड़ा उर्फ राणा के द्वारा उससे कहा गया कि उसकी सिगापुर में बहुत अच्छे सम्पर्क है व उसके मित्र की भी अच्छी जान पहचान है वहां पर कॉलेज का पताकर उसकी पुत्री का दाखिला करवा दूंगा फिर कुछ दिन बाद वीरेन्द्र अरोड़ा उर्फ राणा ने उसको फोन करके बताया कि ग्लोबल स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनजमेंट ऑक्टाजोन सिंगापुर कॉलेज से यह कोर्स हो सकता है तो उसने कहा कि वह उसकी पुत्री का दाखिला वहां करा दो तो वीरेन्द्र अरोड़ा उर्फ राणा के द्वारा कहा गया कि उसके मित्र प्रीतपाल पुत्र भजन सिंह निवासी मकान सीएएस नगर मोहाली सेक्टर पंजाब है उसका चंडीगढ़ में आर्बिट इन्टरनेशनल दूर एण्ड ट्रैवल्स के नाम से ऑफिस है।

प्रीतपाल उसकी पुत्री को सिंगापुर कॉलेज में दाखिला करा देगा और भेज भी देगा माह सितम्बर, 2024 प्रीतपाल व विरेन्द्र अरोड़ा उर्फ राणा उसके घर पर आये कि वह सहारनपुर चौक में अपना एक ऑफिस खोल रहे है और प्रीतपाल के नम्बर से उसको व्हटअप पर कॉल आया तो उसने व्हटस्प पर ही प्रीतपाल को फोन किया प्रीतपाल ने उससे कहा कि अपनी बेटी की डिटेल व सारे कागजात भेज दे फिर उसकी पुत्री दिव्या ने अपने व्हटस्प से प्रीतपाल के व्हटस्प पर अपनी समस्त कागजात भेज दिये वीरेन्द्र अरोड़ा उर्फ राणा व प्रीतपाल सिंह व रमेश जो कि चंडीगढ़ में सिग्मा ओवरसीज सेक्टर 34 चंडीगढ़ के ऑफिस का मालिक है उक्त तीनो लोग उसके घर आये और उसको पूर्ण विश्वास दिलाया वह सिगापुर में पढ़ाई करने भेज देगे जिसमें उसका कुल खर्चा 6 लाख 30 हजार रुपये आयेगा जिसमें उसने उन तीनों पर विश्वास करके चार लाख रूपये नकद उन व्यक्तियों को घर पर ही दिये और बाकी पैसे के लिए उन्होंने कहा वह उनके बैंक खाते में डलवा देना। उसने अपने कजन भाई बबल अरोडा से कहा वह अपनी बेटी दिव्या अरोडा को पढ़ाई के लिए सिंगापुर भेज रहा है अगर उसने अपनी बेटी हर्षिता अरोड़ा को भी भेजना है तो बता देना छह लाख रूपये उसके द्वारा अपनी पुत्री दिव्या अरोड़ा के लिये दिये गये उसके भाई बबल अरोडा द्वारा अपनी पुत्री के विदेश भेजने के लिए उनके समस्त दस्तावेज उनके व्हटस्प पर भेजे गये और प्रीतपाल के खाते में उन्होनें 5 लाख 82 हजार रूपये बबल अरोडा के द्वारा अपनी पुत्री हर्षिता के लिए दिये गये। उन लोगों द्वारा फीस के ऑफर लेटर में कूट रचना की है। उक्त लोगों द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत एक राय होकर कूटरचित दस्तावेज तैयार करके उसके के साथ धोखाधड़ी व बेईमानी करके उसके रूपये हडप लिये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

अमन व आपसी भाईचारे की दुआ के साथ ईद की नमाज अता की

संवाददाता

देहरादून। देश में अमन चैन व आपसी भाईचारे की दुआ के साथ ईद-उल-फितर की नमाज अता की गयी। जिसके बाद सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। आज यहां सुबह चकराता रोड स्थित ईदगाह में शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी ने आपसी भाई चारे व देश में खुशहाली की दुआ के साथ ईद की नमाज अता करायी। जिसके बाद सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं शहर में जगह-जगह नमाज अता कर आ रहे मुस्लिम भाईयों के स्वागत के लिए स्टाल लगाये गये थे। जहां पर नमाज अता कर आ रहे मुस्लिम भाईयों को गले लगाकर उनको ईद की मुबारकबाद दी गयी। शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी ने कहा कि ईद मिलकर मनाएं। गरीबों की हर तरीके से मदद करें जिससे वह भी ईद मना सकें। ईद की खुशी में उन्हें याद करें जो दुख-दर्द में हों। हरसम्भव मदद की कोशिश करें। इसके साथ ही ईदगाह सुभाषनगर माजरा, बिलाल मस्जिद सिंघल मंडी, मदरसा अजबपुर कलां, मदीना मस्जिद भारूवाला, मदीना मस्जिद ब्राहमणवाला, जामा मस्जिद मुस्लिम कालोनी लक्खीबाग, जामा मस्जिद कंडोली में सुबह आठ बजे नमाज अता की गयी। मक्का मस्जिद कारगी, मस्जिद नसीम मदरसे वाली आजाद कालोनी, मदीना मस्जिद गांधीग्राम, मक्का मस्जिद मेहूंवाला, जामा मस्जिद ईसी रोड में साढे आठ बजे नमाज अता की गयी। जामा मस्जिद माजरा में 10 बजे, जामा मस्जिद धामावाला में साढे सात बजे व बडी मस्जिद कारगी में नौ बजे नमाज अता करायी गयी। नमाज के बाद सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। जिसके बाद लोगों ने घर पहुंच सेवइयां व अन्य पकवान खाये व अपने परिचतों के घर भी भेजे और सभी ने मिलजुल कर सेवइयों का सेवन किया और ईद की मुबारकबाद दी।

संरक्षित पशु के अवशेष मिलने पर आक्रोशित लोगों ने लगाया जाम

संवाददाता

देहरादून। संरक्षित पशु के अवशेष सडक पर मिलने से लोगों में आक्रोश फैल गया और हिन्दूवादी संगठनों ने मौके पर पहुंच जाम लगा दिया। पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंच लोगों को समझाने व आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोला। पुलिस ने पशु के अवशेषों को एकत्रित कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आज प्रात: करीब साढे ग्यारह बजे रायपुर क्षेत्रान्तर्गत ईश्वर विहार में एक संरक्षित पशु के अवशेष मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी और आनन फानन में काफी संख्या में हिन्दूवादी संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता वहां पर एकत्रित हो गये और उन्होंने रायपुर चौक पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन लोगों का आक्रोश बढता जा रहा था। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया कि दोषी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जायेगा और जांच कर उसका पता लगाया जायेगा। रायपुर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने कहा कि लोगों को समझाने का प्रयास किया और शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाही करने का आश्वासन दिया। काफी देर तक पुलिस के समझाने व दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किये जाने के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोल दिया।

मुख्यमंत्री ने सम्भागीय निरीक्षक पद पर 8 अभ्यार्थियों को दिये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में परिवहन विभाग के अन्तर्गत सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) पद पर नियुक्त 08 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में परिवहन विभाग के अन्तर्गत सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) पद पर नियुक्त 08 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह आपके जीवन की नई शुरूआत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नव चयनित अभ्यर्थी अपने कार्यक्षेत्र में नवाचार करेंगे और परिवहन विभाग में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है। राज्य में

परिवहन के क्षेत्र में बहुत चुनौतियां हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वाहनों की फिटनेस जाँच, मोटर वाहन अधिनियम और नियमों के पालन कराने और सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यों में सम्भागीय निरीक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में सड़क सुरक्षा और वाहनों की फिटनेस से संबंधित कार्यों में परिवहन विभाग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इस अवसर पर सचिव परिवहन बृजेश कुमार संत, अपर सचिव परिवहन एवं प्रबंध निदेशक उत्तराखण्ड परिवहन निगम श्रीमती रीना जोशी एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैंक का कर्मचारी बताकर ठगे 5.80 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। बैंक का कर्मचारी बताकर पांच लाख 80 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमन विहार निवासी सुशील कुमार रैना ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको अज्ञात नम्बर से व्हाटसअप कॉल आयी उक्त अज्ञात व्यक्ति द्वारा उससे कार्ड जानकारी तथा पता सत्यापित करने हेतु कहा गया उसके द्वारा सूझबूझ का परिचय देते हुये उक्त जानकारी साझा करने से मना कर दिया गया किन्तु उक्त व्यक्ति द्वारा एक (एपीके फाइल) साझा की जिसके तुरंत बाद ही उसके इन्टरनेट बैकिंग हैक कर उसके तीन खातों (2-बचत तथा 01 लोन) में से 05 लाख 80 हजार रुपये आहरित कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्लाट का ताला तोड़ किया कब्जे का प्रयास

संवाददाता

देहरादून। प्लाट का ताला तोड उसपर कब्जा करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी प्रशांत मलिक ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह 30-40 पुरुष व महिलाऐ बोल्ट कटर व लाठीयां लेकर जिनका नेतृत्व भरत खारी, बंठी (देहराखास), रश्मी (जाखन), सबीना खान आदि ने प्लाट का ताला तोड़ कर कब्जा करने का प्रयास करा, जब वह मौके पर गया तो उसपर हमला करा गया व कुल्हाड़ी से प्रहार करने की कोशिष की। इससे पूर्व में भी इन लोगो ने यही हरकत करी थी जिसकी सूचना उसके द्वारा थाने में की गयी है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गौ माता हमारे मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य आधार की हैं अचूक साथी

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि गौ माता सेवा सिर्फ धार्मिक विचारधारा या नैतिक जिम्मेदारी ही नी मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्यका अचूक साथी भी है।

आज यहां सीएम की दुर्गम क्षेत्र प्रथम की नीति पर जिला प्रशासन आगे बढ रहा है जिससे जनपद के सामरिक क्षेत्र जौनसार बावर जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि दुर्गम क्षेत्रों में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार का दुर्गम क्षेत्र की प्रथम नीति को आगे बढाने जिला प्रशासन का विशेष फोकस है, इसी का परिणाम है कि प्रशासन निरंतर दुर्गम क्षेत्रों में बहुउद्देशीय शिविर, जनसंवाद कार्यक्रम, भ्रमण इत्यादि कार्यक्रमों से जनमानस के बीच जाकर क्षेत्र समस्याओं का समाधान करने हेतु वचनबद्ध है तथा हितधारकों लाभार्थियों को योजना का शतप्रतिशत् लाभ मिले इसके लिए निरंतर प्रयासरत् है। डीएम ने कहा कि क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की मांग पर प्रस्ताव भेजा गया है जिस पर केन्द्रीय विद्यालयों की पृच्छाएं निराकरण करते हुए पुन: प्रेषित की गई। उन्होंने

कहा कि जहां क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय खुलने से जनमानस को सुविधा होगी वहीं बच्चों को अच्छी शिक्षा भी मिल पाएगी। डीएम ने समुचित जिम्मेदारी लेते हुए कार्यपूर्ण कराने का विश्वास दिलाया तथा क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपेक्षा की।

जिलाधिकारी सविन बंसल में गौ सेवा संरक्षण समिति के वार्षिक सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर आमंत्रण करने हेतु क्षेत्रवासियों का धन्यवाद दिया। डीएम ने कहा कि गौ माता सेवा सिर्फ धार्मिक विचारधारा या नैतिक जिम्मेदारी ही नहीं मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्यका अचूक साथी भी है। इस अवसर पर पूर्व आईपीएस जगत राम जोशी, उप जिलाधिकारी गौरी प्रभात, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षा, अध्यक्ष गौ संरक्षण सेवा समिति, राकेश चौहान, सचिव सतपाल राय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित रहे।

ऑटो में बैठी महिला ने चुराये एक लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑटो में बैठी महिला ने एक लाख रूपये चुरा लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्शीवाद कालोनी गुमानीवाला निवासी रेवती देवी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दिन के ढाई बजे नटराज चौक से गुमानीवाला के लिए ऑटो पर वैठी थी जिसमे एक महिला जिसके साथ एक बच्चा था कि उसके बैग से एक लाख रुपये चोरी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।